भारत सरकार
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1413

बुधवार, 27 नवंबर, 2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

सकल मूल्यवर्धन की समग्र हिस्सेदारी

1413. श्री पी. वेलुसामीः

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या वर्ष 2017-18 में विनिर्माण क्षेत्र में सकल मूल्यवर्धन (जीवीए) की समग्र हिस्सेदारी की वृद्धि-दर में लगातार गिरावट आ रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) "मेक इन इंडिया" विजन के अंतर्गत विनिर्माण क्षेत्र में नीतिक या प्रशासनिक सहायता प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वाणिज्य और उद्योग मंत्री
(श्री पीयूष गोयल)

(क) और (ख): जी, नहीं। वर्ष 2017-18 के दौरान विनिर्माण क्षेत्र में सकल मूल्य संवर्धन (जीवीए) की समग्र हिस्सेदारी की वृद्धि दर में लगातार कोई गिरावट नहीं आई है।

(ग): भारत सरकार ने निवेश को आसान बनाने, नवप्रयोग को बढ़ावा देने, विनिर्माण अवसंरचना को सर्वश्रेष्ठ बनाने, व्यवसाय को आसान बनाने और कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 2014 में "मेक इन इंडिया पहल" की शुरूआत की। सरकार ने निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाने और मेक इन इंडिया में तेजी लाने के लिए कई पहलें शुरू की हैं जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ प्रत्यक्ष विदेशी निवेश व्यवस्था का उदारीकरण, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, स्टार्ट अप इंडिया, स्किल इंडिया और देश में प्रतिस्पर्धात्मक सुधार करने की क्षेत्रगत स्कीमें/कार्यक्रम शामिल है।

सार्वजनिक अधिप्राप्ति (मेक इन इंडिया को वरीयता) आदेश, 2017 में सार्वजनिक अधिप्राप्ति में घरेलू मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए एक सक्षम प्रावधान निहित है। मेक इन इंडिया पहल में 27-क्षेत्रों-15 विनिर्माण क्षेत्र और 12 चैंपियन सेवा क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित किया है। इस पहल के तहत क्षेत्रगत कार्रवाई योजनाओं में प्रत्येक क्षेत्र में अवसंरचना को बढावा देने, राजकोषीय प्रोत्साहन, कौशल विकास आदि के उपाय शामिल है। संबंधित प्रशासनिक मंत्रालय/विभाग द्ववारा प्रत्येक क्षेत्र के लिए कार्य-योजना कार्यान्वित और निगरानी की जाती है। इस पहल के तहत, केन्द्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों तथा विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा समय-समय पर स्कीमों/कार्यक्रमों के माध्यम से कार्यकलाप भी शुरू किए जाते हैं। इन उपायों का ब्यौरा केन्द्रीय रूप से नहीं रखा जाता है।

*****